571

MASA-06

June - Examination 2016

M. A. (Final) Sanskrit Examination

नाटक तथा नाटक शास्त्र

Paper - MASA-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स'तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum upto 30 words. Each question carries 2 marks.

(खण्ड – अ)

(अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न) (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) उत्तररामचरितम् नामक नाटक का अङ्गीरस कौनसा है?

(ii) भवभूति कृत नाटकों के नाम बताइए?

(iii) सिंहलेश्वर विकमबाहु की दुहिता कौन थी?

(iv) राजा उदयनने 'दोहद' नामक क्रिया किस सिद्ध पुरुष से सीखी थी?

(v) दशरूपक के अनुसार पाँच अर्थोपक्षेक के नाम लिखिये।

(vi) आचार्य धनंजय के अनुसार चार प्रकार के नायक कौन से हैं? नाम लिखिए।

(vii) आचार्य भरत द्वारा दी गई 'रस' की परिभाषा दीजिए।

(viii) नाट्यशास्त्रानुसार हास्य राम के 'द्विविध भेदों' का उल्लेख करें।

Section - B $4 \times 8 = 32$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 8 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तर वाले प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित किजिये। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिये।

(i) दलति हृदयं शोकोद्वेगाद् द्विधा न तु भिद्यते।
वहति विकलः कायो मोहं न विमुच्यति चेतनाम्।।
ज्वलयति तनूमन्तदहिः करोति न भस्मसात्
प्रहरति विधिर्मर्मच्छेदी न कृन्तति जीवितम्

अथवा

इयं गेहे लक्ष्मीरियममृतवर्तिनयनयोः।
असावस्याः स्पर्शो वपुषि बहुलश्चन्दनरसः।।
अयं कण्ठे बाहुः शिशिरमृसणो मौक्तिकसरः।
किमस्या न प्रेयो? यदि परमसह्यस्तु विरहः।।

3) उत्तररामचरितम् में वर्णित 'चित्रदर्शन' नामक अंक की सोदाहरण समीक्षा करें।

4) निम्नलिखित में से किसी एक कारिका की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

भारती संस्कृतप्रायो वाग्व्यापारो नटाश्रयः।
भेदैः प्ररोचनायुक्तैर्वीथी प्रहसनामुखैः।।

अथवा

ज्ञायमानतया तत्र विभावो भावपोषकृत।
आलम्बनोद्दी पनत्वप्रभेदेन स च द्विधा।।

5) ''आसामष्टाववस्थाः स्यु स्वाच्छीनपतिकादिकाः''
कारिकांश की दशरूपकानुसार व्याख्या करें।

6) रत्नावली नाटिका से अपेक्षित उद्धरण देते हुए वासवदत्ता का चरित्र चित्रण करें।

7) हर्षदेव की काव्य–शैली पर एक आलेख लिखिए। उद्धरण सहित।

8) आचार्य भरत के रस विषयक विचारों पर एक आलेख लिखें।

9) उत्तररामचरितम् की कथावस्तु मे नूतन कल्पनाओं पर प्रकाश डालिए।

Section - C $2 \times 16 = 32$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum upto 500 words. Each question carries 16 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश: किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिये। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) उत्तररामचरितम् में भवभूति के प्रकृतिचित्रण की उदाहरण सहित समीक्षा करें।

11) नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों के आधार पर रत्नावली नाटिका की युक्तियुक्त समीक्षा कीजिए।

12) शममपि ''केचित्प्राहु: पुष्टिर्नाट्येषु नैतस्य'' शान्त रस विषयक धनंजय के मत का उल्लेख करें।

13) दशरूपक मे वर्णित मुखादि पञ्च संधियों पर एक निबन्ध लिखिये।